M.A. Semester-III Examination 2016
Hindi
Course - IX
(आदिकालीन काव्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) एत्थु से सुरसरि जमुणा, एत्थु से गंगासाअरु।
एत्थु पआग बणारसि, एत्थु से चन्द दिवाअरु।।
खेत्तु-पीठ-उपपीठ, एत्थु मइँ भमइ परिट्ठओ।
देहा-परिसअ तित्थ, मइं सुह अण्ण ण दिट्ठओ।।

(ख) अहरणि नाद नैं ब्यंद हथौड़ा, रवि ससि षालां पवनं।
मूल चापि डिढ आसणि बैठा, तब मिटि गया आवागवनं।।
सहज पलांण पवन करि घोड़ा, लै लगांम चित चबका।
चेतनि असवार ग्यांन गुरु करि, और तजो सब ढबका।।

(ग) कपोल रेख गातयो।
उवंत इंदु प्रातयो।
बभूव जूव षंचये।
कलंक राह वंचये
श्रवन्न ताट पिष्षयो।
अनंग रथ्थ चक्कयो।

(घ) ए सखि हमर दुखक नहिं ओर।
ई भर बादर माह भादर सून मन्दिर मोर।।
झंझा घन गरजन्ति सन्तति भुवन भरि बरखन्तिया।
कन्त पाहुन काम दारुन सघन खर सर हन्तिया।।
कुलिस सत सतपात मोदित मधुर नाचत मातिया।
तिमिर भरि भरि घोर यामिनि थीर बिजुरिक पाँतिया।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए– 2×12=24

(क) सिद्ध साहित्य की विशेषताएँ बताइए।

(ख) 'नाथयोगियों की बानियाँ हमारे साहित्यिक विकास की लड़ी में एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं'– इस कथन के आलोक में गोरखनाथ की आलोचना कीजिए।

(ग) 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विचार कीजिए।

(घ) विद्यापति के काव्यसौंदर्य का विवेचन कीजिए।